विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

नवम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:-18-02-2021 (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)

पाठ:एकादश: पाठनाम पर्यावरणम्

पाठ्यांश

कुक्कुरसूकरसर्पनकुलादिस्थलचरा , मत्स्यकच्छपमकरप्रभृतयो जलचराश्चापि रक्षणीया:,यतस्ते स्थलमलापनोदिनो जलमलापहारिणश्च प्रकृतिरक्षयैव सम्भवति लोकरक्षेति न संशय:।

शब्दार्था: -

कुक्कुर:- कुत्ता ,नकुल: - नेवला , सर्प: - सांप

स्थलचर: - पृथ्वी पर रहने वाले जीव , सूकर:-सूअर

मत्स्य: - मछली, कच्छप: -कछुआ, मकर: - मगरमच्छ

जलचर:- पानी में रहने वाला जीव,सम्भवति- संभव है

स्थलमलापनोदिनो-पृथ्वी की गंदगी को दूर करने वाले

लोकरक्षा – संसार की रक्षा

अर्थ

कुत्ते,सूअर, सांप,नेवले आदि स्थलचरों तथा मछली , कछुए, मगरमच्छ आदि जलचरों को भी रक्षा करनी चाहिए, क्योंकि ये पृथ्वी तथा जल की मलिनता को दूर करने वाले हैं । प्रकति की रक्षा से ही संसार की रक्षा हो सकती है- इसमें सन्देह नहीं है ।